PRGI No. UPHIN/25/A1697

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

PUBLISHED HINDI DAILY FROM LUCKNOW

वर्ष : 02
अंक : 072
दि. 11.07.2026,
शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

न्यूजीलैंड पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी, द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने पर रहेगा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे, जहां 40 साल बाद किसी भारतीय पीएम की यह पहली आधिकारिक यात्रा है। .

(जीएनएस)।

ऑकलैंड। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंच गए। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पिछले 40 वर्षों में न्यूजीलैंड की पहली आधिकारिक यात्रा है।

आकलैंड हवाई अड्डे पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर मित्रता और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों का संदेश दिया।

40 साल बाद न्यूजीलैंड की ऐतिहासिक यात्रा

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा कि वह आकलैंड पहुंचकर प्रसन्न हैं और प्रधानमंत्री लक्सन द्वारा किए गए

स्वागत के लिए आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि चार दशक बाद हो रही यह यात्रा ऐतिहासिक है और इससे भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि वह प्रधानमंत्री लक्सन के साथ व्यापक द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा करेंगे तथा शनिवार को आकलैंड में भारतीय समुदाय को भी संबोधित करेंगे।

मोदी ने कहा कि न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे स्वागत से वे बहुत प्रभावित हुए। उन्होंने कहा कि लोगों में दिखा उत्साह भारत के साथ प्रवासी भारतीयों के गहरे जुड़ाव को दशार्ता है।

पीएम ने ऑकलैंड में गर्मजोशी से स्वागत किया

विदेश मंत्रालय ने भी इस यात्रा को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार, रक्षा, खेल, संस्कृति, शिक्षा और जन से जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर खुलेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत के अवसर पर आकलैंड के प्रतिष्ठित स्काई टावर को विशेष रोशनी से सजाया गया, जो भारत और न्यूजीलैंड की मित्रता का प्रतीक है।

नई दिल्ली से रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि उनकी यह यात्रा मार्च 2025 में प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन की भारत यात्रा के दौरान बनी सकारात्मक गति को आगे बढ़ाएगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि यह दौरा दोनों देशों के आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

राम मंदिर में चंदे की गिनती करने वाले 50% से ज्यादा कर्मचारियों का इस्तीफा, क्या वजह?

अयोध्या में राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी मुद्दे ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच रखा है। मामले की सुनवाई 13 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में होगी। इसी बीच, शुक्रवार (10 जुलाई) को राम मंदिर में दान की गिनती करने वाले आधे से ज्यादा कर्मचारियों ने इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद अब चंदे की गिनती करने वाले कर्मचारियों की संख्या घटकर सिर्फ एक दर्जन के आसपास रह गई है। ट्रस्ट के सूत्रों ने बताया कि मामला सामने आने के बाद दान गिनती केंद्र पर कर्मचारियों की उपस्थिति

पहले ही कम हो गई थी। जांच के डर से लगभग 40 कर्मचारियों में से केवल 15-20 ही नियमित रूप से ड्यूटी पर आ रहे थे।

सूत्रों के अनुसार, गिनती करने वाले स्टाफ में से लगभग 20 लोगों ने अपनी ड्यूटी से इस्तीफा दे दिया है। इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों ने काम का बोझ बढ़ने का हवाला देते हुए कहा कि कथित चोरी का मामला सामने आने के बाद गिनती की प्रक्रिया में ज्यादा समय लगने लगा है।

पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के विपक्ष के नेता एंगस टेलर से की मुलाकात, रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने पर हुई चर्चा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान शुक्रवार को वहां के विपक्ष के नेता एंगस टेलर से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी (कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप) को और मजबूत बनाने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

भारत के लिए द्विदलीय समर्थन पर जोर

बैठक के दौरान भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया में मौजूद मजबूत द्विदलीय (बाइपार्टिजन) समर्थन पर भी जोर दिया गया। दोनों नेताओं ने रणनीतिक, आर्थिक और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग के विस्तार तथा दोनों देशों के लगातार मजबूत होते संबंधों पर विचार-विमर्श किया।

विदेश मंत्रालय ने दी जानकारी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एंगस टेलर के बीच सार्थक चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि यह बैठक भारत-ऑस्ट्रेलिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने तथा भारत के साथ संबंधों को लेकर

ऑस्ट्रेलिया में व्यापक राजनीतिक समर्थन को दशार्ती है।

कई प्रमुख नेताओं से की मुलाकात

ऑस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। इसके अलावा उन्होंने गवर्नर-जनरल सैम मोस्टिन, विक्टोरिया की गवर्नर मार्गरेट गार्डनर, ऑस्ट्रेलिया-इंडिया सीईओ फोरम के प्रतिनिधियों, भारतीय समुदाय के सदस्यों और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन से भी मुलाकात की।

एमसीजी में खेल सहयोग रोडमैप होगा जारी

प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) का भी दौरा करेंगे। इस दौरान दोनों नेता भारत-ऑस्ट्रेलिया खेल सहयोग रोडमैप का अनावरण करेंगे, जिसका उद्देश्य खेल क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग को नई दिशा देना है।

खेल सहयोग के नए अवसर

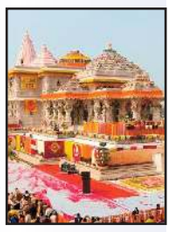

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि एमसीजी का दौरा खेल क्षेत्र में दोनों देशों के बढ़ते सहयोग का प्रतीक होगा। उन्होंने बताया कि भारत वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया 2032 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। ऐसे में खेल दोनों देशों के बीच सहयोग का एक महत्वपूर्ण क्षेत्र बनकर उभर रहा है।

ओवल ऑफिस में ऐसा क्या हुआ कि खामेनेई की जनाजे के बीच ट्रंप करवाए हमले? किसने-किसे दिया धोखा?

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट अली खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक में एक बार फिर बारूद की गंध फैल गई है। अमेरिका और ईरान ने एक दूसरे पर ताबड़तोड़ हमले करना शुरू कर दिए हैं और पाकिस्तान का कराया हुआ सीजफायर चरमराकर टूट गया। हैरानी की बात है कि दूसरे दौर की इस झड़प में अभी इजरायल की एंट्री बाकी है, अंदरखाने बात चल रही और जल्द ही नेतन्याहू की फौज भी इस युद्ध में कूदेगी। इस बीच एक खबर आ रही है कि सीजफायर के दौरान व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में एक मीटिंग हुई थी जिसके बाद ट्रंप ने अपना मूड बदला और अपनी फौज को दोबारा हमला करने का आदेश दे दिया।

क्या हुआ था ओवल ऑफिस में?

अमेरिकी मीडिया वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपी एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ठअळड समिट में शामिल होने के लिए तुर्किये जाने वाले थे। इसी बीच ओव ऑफिस में विदेश सचिव मार्को रुबियो और डिफेंस सचिव पीट हेगसेथ पहुंचे और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए ईरान के हमलों की सबसे ताजा रिपोर्ट सौंपी। जिसमें साफ-साफ लिखा

था कि ईरान ने एंटी शिप क्रूज मिसाइल और ड्रोन्स के जरिए उन कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाया था जिनमें छठ्ऋगैस के टेंकर थे। जैसे ही ट्रंप को इस धोखे की मालूमात हुई तो वे गुस्से से झल्ला उठे। इसके बाद ट्रंप ने अपने एडवाइजरों से पूछा कि 'क्या वाकई ईरान शांति समझौते में दिलचस्पी रखता है'? वहीं जब इसका जवाब न में मिला तो ट्रंप ने तुरंत सीजफायर रद्द करने का फैसला लिया।

ट्रंप ने इस धोखाधड़ी की जानकारी मिलते ही तत्काल प्रभाव से पेरिस में हुए समझौते को खत्म कर दिया और ईरान पर दोबारा हमले करने के आदेश दे दिए। इसके साथ ही ट्रंप ने ईरान पर दोबारा कड़े प्रतिबंध और तेल की बिक्री पर रोक लगा दी। वहीं जब ट्रंप से अंकारा में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि 'मेरे लिए सीजफायर खत्म हो चुका है'। ट्रंप यही नहीं रुके बल्कि उन्होंने ईरानी नेताओं को झूठा, नीच और बीमार तक कह डाला। ट्रंप ने कहा कि वे सनकी हैं। ट्रंप इस बात से भी खासे नाराज थे कि अमेरिकी फौज ने अली खामेनेई को शांति से दफन कैसे होने दिया जबकि ईरानी फौज होर्मुज में अभी भी बमबारी कर कर रही है।

सीजफायर के ताबूत में आखिरी कील ठोकी इजरायल की रिपोर्ट में, जिसमें इजरायली खूफिया एजेंसी मोसान ने सीआईए को एक रिपोर्ट भेजी। जिसके मुताबिक ईरान ने ट्रंप को जान से मारने का प्लान बनाया है।

'कानून हाथ में न लें', मेरठ प्रदर्शन पर बोलीं मायावती

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की पूर्व उट और बसपा प्रमुख मायावती ने मेरठ की ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर हुए प्रदर्शन पर बड़ा बयान दिया है। मायावती ने दलित समाज से कानून हाथ में न लेने की अपील की और कहा कि अन्याय के खिलाफ लड़ाई कानून के दायरे में रहकर ही लड़नी चाहिए।

इरढ अध्यक्ष मायावती ने कहा कि, कुछ संगठन या पार्टियां पिछड़े वर्गों के लोगों को गुमराह करके अपने राजनीतिक फायदे के लिए सड़कों पर उतारती हैं। जिससे हिंसा, अफरा-तफरी या सड़क जाम जैसे हालात पैदा होते हैं। फिर उनके नेता घटना वाली जगह पर पहुंचकर झूठे आंसू बहाते हैं और राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

बसपा अध्यक्ष मायावती ने आगे कहा कि, इससे पीड़ितों को न्याय नहीं मिलता, बल्कि इन समुदायों की मुश्किलें और परेशानियां और बढ़ जाती हैं। ऐसे में, उनकी समस्याओं का समाधान बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिखाए गए सही और शांतिपूर्ण रास्ते पर चलने में है, यानी एकता और वोट की ताकत से सत्ता की 'मास्टर-की' हासिल करना। यही तमाम मुश्किलों का एकमात्र उपाय है, और इरढ इसी लक्ष्य को पाने के लिए लगातार प्रतिबद्ध और सक्रिय है।

क्या है मामला? जो भड़की मायावती

दरअसल, मेरठ में हुए ललिता गौतम हत्याकांड को लेकर हुए प्रदर्शन ने बुधवार को हिंसक रूप ले लिया। प्रदर्शनकारियों ने बिना अनुमति कमिश्नर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक सड़क जाम कर दी, डीएम कार्यालय के गेट को नुकसान पहुंचाया और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की की। करीब छह घंटे तक चले हंगामे से आम लोगों को भारी परेशानी हुई। पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार कर कई अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इसी घटना के बाद से यूपी में राजनीति गर्म हो गई है।

पुलिस बोली- माहौल बिगाड़ने की साजिश

वहीं हिंसक प्रदर्शन पर पुलिस ने कहा कि, प्रदर्शन के दौरान सोशल मीडिया पर भड़काऊ संदेश फैलाकर जातीय तनाव पैदा करने की कोशिश की गई। इस मामले में साइबर टीम भी जांच में जुटी है। अधिकारियों के अनुसार, प्रदर्शन के कारण दो एंबुलेंस जाम में फंस गईं और 11 पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

15 मई 2026: बीए (BA) की छात्रा ललिता गौतम कॉलेज की परीक्षा देने के बाद अचानक लापता हो गई, जिसके कुछ दिन बाद उसकी निर्मम हत्या कर दी गई

मई 2026: परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। मुख्य आरोपी अंकुश को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

दिसंबर में बांग्लादेश जाएंगी शेख हसीना, 663 मुकदमे कर रहे इंतजार, कितनी होगी सजा?

(जीएनएस)।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत से एक बहुत बड़ा ऐलान किया है। अपने ताजा बयान में शेख हसीना ने कहा कि वह और उनकी पार्टी के कई वरिष्ठ नेता इस साल दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगे। हसीना ने कहा कि उन्हें पता है कि उनका अंजाम क्या होगा, यह जानते हुए भी वह बांग्लादेश जाएंगी।

वो मुझे मार भी सकते हैं- हसीना

रॉयटर्स को दिए एक एक्सक्लूसिव टेलीफोनिक इंटरव्यू में शेख हसीना ने साफ किया कि वह और उनकी पार्टी के नेता स्वेच्छा से अपने देश लौटना चाहते हैं और खुद कोर्ट के सामने पेश होना चाहते हैं। वह देखना चाहती हैं कि बांग्लादेश की नई व्यवस्था देश के सबसे बड़े विपक्षी नेता के साथ कैसा बर्ताव करती है। हसीना यहीं नहीं रुकीं, उन्होंने आगे कहा, "मेरे लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर सकते हैं, यहां तक कि मार भी सकते हैं। फिर भी, मुझे जाना ही होगा। मेरे पार्टी लीडर्स और कार्यकताओं पर भारी अत्याचार हो रहा है। अगर मौत

आनी ही है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी मिट्टी पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।"

शेख हसीना पर कितने मुकदमे?

फरवरी 2026 में ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल बांग्लादेश ने एक रिपोर्ट निकाली थी, जिसके मुताबिक जुलाई 2025 से नवंबर 2025 तक चले विद्रोह में कई लोग मारे गए थे। इसमें आम प्रदर्शनकारियों की हत्या समेत कुल 1785 मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें से 663 मुकदमे अकेले शेख हसीना पर दर्ज किए गए। इन मुकदमों में से 453 मामले केवल हत्या के हैं जो हसीना के नाम पर दर्ज हैं। जब ये मुकदमे दर्ज किए तब शेख हसीना भारत की शरण में थीं, इसलिए उन्हें बुलाने के लिए इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस के मार्फत वारंट भी जारी कराया गया। लेकिन उनका प्रत्यर्पण नहीं हो सका।

कितने मामलों में कोर्ट में पेश हो चुकी चार्जशीट

मामले भले ही 1785 हों, लेकिन चार्जशीट सिर्फ 106 मामलों में पेश हो सकी है। इन मामलों में 31 मामले मर्डर के हैं। जिसके लिए हसीना की पार्टी आवामी लीग के 128 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। इसके अलावा बांग्लादेश विद्रोह में 450 शिकायतें इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस में भी पहुंची थी जिसमें से 45 केस वहां भी रजिस्टर हुए हैं। हालांकि इनमें सभी केस शेख हसीना के खिलाफ नहीं है। कुछ उनकी पार्टी के नेता और कुछ प्रशासन के खिलाफ भी दर्ज किए गए हैं।

कितनी होगी सजा?

आपको बता दें कि शेख हसीना ने कई कार्यकालों को मिलाकर लगभग 20 सालों तक बांग्लादेश की प्रधानमंत्री के रूप में शासन किया है। वहीं अगस्त 2024 में उन्हें बांग्लादेश छोड़ना पड़ा था। इन मामलों की सुनवाई के दौरान नवंबर में बांग्लादेश के वॉर क्राइम्स कोर्ट (क्ल्ल३ी१ल्लं३ङ्मल्लं' उ१्रे ळ१्र४ल्लं') ने छात्र आंदोलन पर जानलेवा कार्रवाई का आदेश देने के आरोप में उनकी गैर-मौजूदगी में उन्हें मौत की सजा सुनाई थी।

हालांकि शेख हसीना ने भारत से इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

सवाल लेने से... ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार का वीडियो शेयर कर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने प्रधानमंत्री मोदी पर उठाए सवाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई मीडिया की एक टिप्पणी पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने वीडियो शेयर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय ऑस्ट्रेलिया दौरा समाप्त कर न्यूजीलैंड को रवाना हो गए हैं। लेकिन पीएम मोदी के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान ही एक ऑस्ट्रेलियन पत्रकार का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। अब इस वीडियो को लेकर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पीएम मोदी पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ऑस्ट्रेलियन पत्रकार का वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा- नॉर्वे के बाद, 'अब ऑस्ट्रेलियाई मीडिया ने भी सवालों से बचने की मोदी की आदत की आलोचना की है।'

'ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार की निकाली जाएंगी कमियां'

सुप्रिया श्रीनेत ने आगे कहा, 'अब बस कुछ ही समय की बात है जब

भारतीय मीडिया में मोदी के समर्थक इस ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार की कमियां निकालेंगे। उसकी ट्रेनिंग और भारत के बारे में उसकी समझ पर सवाल उठाएंगे। साथ ही उसकी बात कहने के अधिकार पर भी सवाल खड़े करेंगे।'

कांग्रेस नेता ने कहा, 'लेकिन असल मजाक तो भारतीय मीडिया का ही उड़ रहा है, जिसके साथ मोदी तिरस्कारपूर्ण व्यवहार करते हैं। श्रीनेत ने दावा किया कि पीएम मोदी भारतीय मीडिया के सामने एकतरफा बातें ही रखते हैं।

वीडियो में पत्रकार ने क्या कहा?

सुप्रीया श्रीनेता द्वारा शेयर किए गए वीडियो में ऑस्ट्रेलिया पत्रकार कह रहे हैं कि 'मेलबर्न की अपनी यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी के इतने करीब पहुंच पाना ही बहुत बड़ी बात है। वे बिना पहले से तय स्क्रिप्ट वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस से बचते रहे हैं और इसके बजाय पहले से तय और व्यवस्थित कार्यक्रमों में शामिल होना ज्यादा पसंद करते हैं।'

ऑस्ट्रेलिया के सफल दौरे पर पीएम मोदी ने अपने समकक्ष प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज, ऑस्ट्रेलियाई सरकार और जनता का आभार जताया। पीएम ने यह भी कहा कि इस यात्रा ने हमारी साझेदारी को और मजबूत किया है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'मेरी ऑस्ट्रेलिया यात्रा समाप्त हुई, मैं ऑस्ट्रेलिया की सरकार और लोगों के साथ-साथ प्रधानमंत्री अल्बनीज को उनकी गर्मजोशी के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। इस यात्रा के परिणामों ने हमारी साझेदारी को और मजबूत किया है और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। आने वाले समय में इस गति से हमारे देश और पूरी दुनिया को लाभ होगा।'

सम्पादकीय

वैश्विक पटल पर चमकती भारत की शिल्प विरासत

इस मंच के जरिए 500 से अधिक स्थानीय कारीगरों के हुनर को सीधे वैश्विक बाजार में ले आया है। इसके अलावा विलेज व्राफ्ट को आगे बढ़ा रहे वुशल कारीगरों द्वारा बेहद प्यार और सावधानी से बनाए गए सूती तौलिए, पारंपरिक गमछे और आरामदायक बेडशीट इस बात का प्रमाण हैं कि हमारी विरासत केवल खास मौकों पर सजाने के लिए नहीं, बल्कि हमारे रोजमर्रा के जीवन को आराम और गुणवत्ता देने के लिए भी उतनी ही प्रासंगिक है।

भारत की धरती केवल विविधताओं का देश नहीं है, बल्कि यह सदियों पुरानी कला, संस्कृति और शिल्प कौशल का एक जीवंत कोलाज भी है। कश्मीर के पहाड़ों में बुनी जाने वाली पश्मीना शॉल से लेकर दक्षिण के तटीय इलाकों में पहने जाने वाले मुंडू वस्त्रों तक, और बनारस की गलियों में खटकती हथकरघा मशीनों से लेकर मध्य प्रदेश के चंदेरी सिल्क तक यानी भारत का हर कोना अपनी एक विशिष्ट कलात्मक पहचान रखता है।

लेकिन, इस बदलते आधुनिक युग में आधुनिक, गतिशील और डिजिटल होते जा रहे बाज़ार में इन पारंपरिक शिल्पों के सामने अपनी जगह बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती थी।

इसी चुनौती को अवसर में बदलने और भारत के ग्रामीण व दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लाखों कारीगरों को आधुनिक अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए 'इंडियाहैंडमेड' डिजिटल प्लेटफॉर्म की शुरूआत की गई, जो आज भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं के लिए एक मजबूत 'डिजिटल इंडिया ब्रिज' बन चुका है, बल्कि यह वैश्विक स्तर पर देश के आर्थिक सशत्तिकरण की एक नई पटकथा भी लिख रहा है। साल 2023 में लॉन्च हुआ यह मंच भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉपरेरेशन द्वारा विकसित यह सर्मपित ई– कॉमर्स पोर्टल है, जो हमारी पारंपरिक विरासत को संरक्षित कर रहा है। 'इंडियाहैंडमेड' न केवल भारत की सांस्वृतिक और ऐतिहासिक विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर रहा है, बल्कि करीब 65 लाख शिल्पी कारीगरों को व्यापक बाजार देकर 'आत्मनिर्भर भारत' और 'डिजिटल इंडिया' के विजन को भी मजबूत कर रहा है।

भारत की शिल्प विरासत को वैश्विक पहचान दिलाते इस व्रांतिकारी डिजिटल 'इंडिया हैंडमेड' पोर्टल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'वोकल फॉर लोकल' के नारे को धरातल पर सच करता नजर आ रहा है। यह मंच केवल एक आर्थिक लेन–देन की जगह नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्वृतिक वूटनीति का भी एक मजबूत उपकरण है।

जब दुनिया के किसी दूसरे कोने में बैठा व्यत्ति इस पोर्टल से कोई हस्तर्निमित वस्तु खरीदता है, तो वह केवल एक उत्पाद नहीं खरीद रहा होता, बल्कि वह उस भारतीय कारीगर की उंगलियों के जादू, उसकी पीढ़ियों की विरासत और भारत की मिट्टी की कहानी को अपने घर ले जा रहा होता है।

जैसे–जैसे हम डिजिटल युग में आगे बढ़ रहे हैं, इंडियाहैंडमेड यह सुनििति कर रहा है कि हमारी प्राचीन कलाएं और तकनीवें पीछे न छूट जाएं। यह मंच आधुनिकतम ई–कॉमर्स तकनीक और प्राचीनतम मानवीय कौशलों का एक अद्भुत और सफल संगम है। यह हमारे बुनकरों और शिल्पकारों को केवल जीवित रहने का साधन नहीं दे रहा, बल्कि उन्हें सम्मान, वैश्विक पहचान और समृद्धि का एक नया आसमान दे रहा है।

इंडियाहैंडमेड के माध्यम से भारत की यह अनमोल विरासत न केवल सुरक्षित है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए निरंतर आजीविका, नवाचार और गौरव का एक शाश्वत रत्रोत बनकर चमक रही है। प्रत्येक भारतीय और वैश्विक नागरिक के लिए, इस मंच से जुड़ना भारत की आत्मा और उसकी कलात्मक धड़कन से जुड़ने जैसा है।

पीएम के पीछे कैमरा लिए लड़की कर रही थी इशारे, प्रधानमंत्री भी मुड़कर देखने लगे, वीडियो वायरल

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मार्वल स्टेडियम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में स्टेज पर पीएम मोदी के पीछे खड़ी एक महिला कैमरापर्सन हाथ से इशारा करती दिखाई देती है. इसके बाद पीएम मोदी भी पीछे मुड़कर उसकी ओर देखते हैं और महिला तुरंत उनकी तस्वीर क्लिक कर लेती है. यह वीडियो अब इंटरनेट पर चर्चा का विषय बना हुआ है. कार्यक्रम में करीब 30 हजार भारतीय मूल के लोग मौजूद थे. इस दौरान पीएम मोदी ने भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों और प्रवासी भारतीयों की भूमिका पर भी विस्तार से अपनी बात रखी.

(जीएनएस)।

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक कार्यक्रमों में अक्सर ऐसे पल देखने को मिल जाते हैं, जो उनके भाषण से अलग सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन जाते हैं. ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित मार्वल स्टेडियम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते समय भी कुछ ऐसा ही हुआ. हजारों लोगों की मौजूदगी, तालियों की गूंज और भाषण के बीच अचानक मंच पर पीछे खड़ी एक महिला कैमरापर्सन ने हाथ से इशारा किया. कुछ ही सेकेंड में प्रधानमंत्री मोदी भी पीछे मुड़कर उस दिशा में देखने लगे. इसके बाद महिला ने तुरंत कैमरे से उनकी तस्वीर क्लिक कर ली. यह छोटा–सा पल अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. लोग वीडियो को अलग–अलग अंदाज में शेयर कर रहे हैं और इस पल को

लेकर तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

हालांकि यह वीडियो भाषण का सिर्फ एक छोटा हिस्सा है, लेकिन पूरे कार्यक्रम की सबसे ज्यादा चर्चा इसी क्लिप की हो रही है. यह घटना उस समय हुई, जब पीएम मोदी ऑस्ट्रेलिया में भारतीय प्रवासियों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. इस दौरान ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज भी स्टेज पर मौजूद थे. कार्यक्रम में करीब 30 हजार भारतीय मूल के लोगों की मौजूदगी बताई गई. भाषण के दौरान भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंध, भारतीय समुदाय की भूमिका और दोनों देशों की साझेदारी पर भी प्रधानमंत्री ने विस्तार से अपनी बात रखी.

वीडियो का पल बना सोशल मीडिया की चर्चा

मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भाषण दे रहे हैं. इसी दौरान मंच के पीछे मौजूद एक महिला कैमरापर्सन सामने की ओर हाथ से इशारा करती है. कुछ क्षण बाद प्रधानमंत्री मोदी भी पीछे मुड़कर उस महिला की ओर देखने लगते हैं. जैसे ही प्रधानमंत्री कैमरे की तरफ देखते हैं, महिला तुरंत उनकी तस्वीर क्लिक कर लेती है. यही कुछ सेकेंड का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी का यह कार्यक्रम भारतीय समुदाय के लिए आयोजित किया गया था, जहां हजारों लोग उन्हें सुनने पहुंचे थे. कार्यक्रम के दौरान कई बार तालियों की गड़गड़ाहट और 'मोदी–मोदी'के नारे भी सुनाई दिए. वायरल वीडियो भी इसी कार्यक्रम का बताया जा रहा है.

30 हजार लोगों ने सुना पीएम मोदी का संबोधन

कार्यक्रम में लगभग 30,000 भारतीय मूल के लोग मौजूद थे. ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी मंच से कहा कि 'मार्वल स्टेडियम ने कई बड़े कार्यक्रम देखे हैं, लेकिन इससे पहले इस तरह का आयोजन कभी नहीं देखा. स्टेडियम में दिखाई दे रही ऊर्जा भारत और ऑस्ट्रेलिया की मजबूत साझेदारी को दशार्ती है.'

पीएम मोदी ने भी भारतीय प्रवासी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों को मजबूत बनाने में भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका रही है. उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री की भी तारीफ की.

12 साल में तीसरी यात्रा को बताया 'हैट्रिक'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हल्के–फुल्के अंदाज में कहा कि पिछले 12 सालों में यह उनकी ऑस्ट्रेलिया की तीसरी यात्रा है. उन्होंने कहा कि यह उनकी 'हैट्रिक विजिट'है और यह भारत–ऑस्ट्रेलिया संबंधों की लगातार मजबूत होती साझेदारी का प्रतीक है. उनके इस बयान पर स्टेडियम में मौजूद लोगों ने जोरदार तालियां बजाईं.

'हम भारतीय ऐसे ही हैं'

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय प्रवासी समुदाय के भावनात्मक जुड़ाव का जिक्र करते हुए कहा, 'यहां बच्चे स्कूल से घर ऑस्ट्रेलियन टाइम के हिसाब से आते हैं, लेकिन भारत में दादा–दादी और नाना–नानी वीडियो कॉल पर उनका इंतजार कर रहे होते हैं. यहां वीकेंड होता है तो भारत से किसी शादी की लाइव स्ट्रीमिंग चल रही होती है. यानी दूरी हजारों किलोमीटर की है, लेकिन डेली रूटीन आज भी भारत से जुड़ा हुआ है.'

प्रधानमंत्री के इस बयान पर स्टेडियम में मौजूद भारतीय समुदाय ने जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया. उन्होंने कहा कि यही भावनात्मक रिश्ता भारत और ऑस्ट्रेलिया की दोस्ती को और मजबूत बनाता है.

ऑस्ट्रेलियाई पीएम ने भी की प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ

एंथनी अल्बनीज ने कार्यक्रम के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां भी जाते हैं, भारतीय समुदाय में उत्साह की लहर दिखाई देती है. उन्होंने कहा कि मार्वल स्टेडियम में उमड़ी भीड़ दोनों देशों के मजबूत रिश्तों का प्रमाण है. अल्बनीज ने यह भी कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है.

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा वीडियो

महिला कैमरापर्सन और प्रधानमंत्री मोदी के बीच कैमरे के लिए बने इस छोटे से पल का वीडियो अब सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तेजी से शेयर किया जा रहा है. कई यूजर्स इसे कार्यक्रम का सबसे दिलचस्प क्षण बता रहे हैं.

'ऑपरेशन सिंदूर' पर पीएम मोदी के बयान का नेताओं ने किया समर्थन, नए भारत की ताकत का किया जिक्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत की बढ़ती सैन्य एवं आर्थिक ताकत का उल्लेख किए जाने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी बात का समर्थन किया। भाजपा और जेडीयू नेताओं ने कहा कि नए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है और वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक व सामरिक स्थिति लगातार मजबूत हुई है।

(जीएनएस)।

नई दिल्ली, 10 जुलाई (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मेलबर्न में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' और भारत की बढ़ती सैन्य एवं आर्थिक ताकत का उल्लेख किए जाने के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी बात का समर्थन किया। भाजपा और जेडीयू नेताओं ने कहा कि नए भारत ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी निर्णायक क्षमता का प्रदर्शन किया है और वैश्विक स्तर पर देश की आर्थिक व सामरिक स्थिति लगातार मजबूत हुई है।

पीएम मोदी द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर दिए गए बयान पर राजस्थान भाजपा अध्यक्ष मदन राठौर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि जब से पीएम मोदी प्रधानमंत्री बने हैं, वह विकसित भारत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए मोदी सरकार ने आतंकवादी ठिकानों को ही नष्ट कर दिया। आतंकियों के ठिकानों पर हमला

किया।

उन्होंने कहा कि पहले हम सुना करते थे कि ओसामा बिन लादेन को अमेरिका ने मार गिराया। अब भारत ने भी देश में बैठे–बैठे मिसाइल का बटन दबाकर आतंकियों के ठिकाने नष्ट कर दिए। हमने तकनीक विकसित कर ली है। पहले हम शस्त्र बाहर से खरीदते थे, लेकिन अब अपने शस्त्र बना रहे हैं, जिन्हें दूसरे देश भी खरीदना चाहते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिल्कुल सही कहा कि भारत ने दुनिया को दिखा दिया है कि कूटनीतिक और रक्षा क्षेत्र में हम कितने ताकतवर हैं। हमने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी अड्डों को नष्ट कर दिया। हमारे हथियार सफल रहे हैं, जिससे कई देश इन्हें खरीदने के लिए आगे आ रहे हैं।

बिहार भाजपा प्रवक्ता गुरु प्रकाश ने कहा कि पहले के भारत का दौर सबको याद है, लेकिन 2014 के बाद यह नया भारत है। कोई भी शक्ति हमारी संप्रभुता और सम्मान को ठेस नहीं पहुंचा सकती और अगर ऐसा कोई करता है तो भारत ने अपनी शक्ति और पराक्रम का परिचय बार–बार दिया है, जिसे पूरे विश्व ने स्वीकार किया है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक और वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है और हमें विश्वास है कि हम जल्द ही दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होंगे। दक्षिणी ध्रुव (लूनर साउथ पोल) पर पहुंचने वाला भारत पहला देश है। जिस तरह चंद्रयान सफल हुआ है, उसी तरह गगनयान भी सफल होगा।

जेडीयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या के बाद भारत ने पाकिस्तान पर हमला कर दुनिया को बता दिया कि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला देश हो सकता है, लेकिन भारत का मुकाबला करने की उसकी हैसियत नहीं है। 72 घंटे के संघर्ष के दौरान आतंकी ठिकानों पर हमला किया गया, 100 से अधिक आतंकियों को मार गिराया गया और सैन्य ठिकानों को भी नष्ट किया गया। यह भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम का एक शानदार अध्याय है।

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया के संकट और कोरोना काल के दौरान दुनिया को कई परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन भारत 7 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ अपनी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

न कैश, ना क्रेडिट कार्ड, जानिए पीएम मोदी विदेशी दौरों पर कैसे पेमेंट करते हैं

पीएम मोदी अक्सर विदेशी संबधों को मजबूत बनाने के मकसद से विदेश दौरे पर होते हैं. इस दौरान वो कई चीजें खरीदते भी हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि वो पेमेंट कैसे करते हैं? आइये जानते हैं.

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्सर विदेश दौरे पर होते हैं. इस समय भी पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा पर हैं. फिलहाल वो इस यात्रा के अंतिम चरण पर न्यूजीलैंड पहुंचे हैं. अपनी विदेश यात्राओं के दौरान पीएम मोदी अक्सर कई चीजें भी खरीदते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि पीएम विदेश में पेमेंट कैसे करते हैं? नहीं सोचा होगा ना? ना ही जानते होंगे? तो आइये हम आपको बताते हैं.

पीएम मोदी कैसे करते हैं पेमेंट्स?

पीएम मोदी साल 2018 में जब सिंगापुर के दौरा पर थे, उस दौरान उन्होंने वहां से एक मधुबनी पेंटिंग खरीदी थी. इस पेंटिंग को खरीदते समय उन्होंने RuPay कार्ड का इस्तेमाल किया था. तो वहीं अगस्त 2019 में भूटान भी उन्होंने एक आधिकारिक यात्रा के दौरान स्थानीय भूटानी हस्तशिल्प सामग्री खरीदी और RuPÔy कार्ड का इस्तेमाल किया.

तो वहीं फरवरी 2024 में अबू धाबी दौरे के समय पीएम मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत के वढक को यूएई के 'AANI' पेमेंट सिस्टम से और रुपे कार्ड को वहां के 'JAYWAN' कार्ड से जोड़ने की शुरूआत की थी. इस दौरान दोनों नेताओं ने एक–दूसरे के कार्ड को स्वाइप कर लाइव ट्रांजैक्शन होते हुए भी देखा था.

भारतीय UPI को देते हैं बढ़ावा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विदेशों में इन सामानों को खरीदने और खुद पेमेंट करने का मकसद भारतीय पर्यटकों और दुनिया को ये दिखाना होता है कि भारत की फिनटेक

तकनीकें जैसे वढक और RuPay अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पूरी तरह सुरक्षित और स्वीकृत हैं. ऐसे में भारतीय लोग भी विदेश यात्रा पर जाएं तो इन तकनीकों का ही इस्तेमाल करें, ना कि करेंसी एक्सचेंज करवाकर.

किन देशों में चलता है वढक और RuPay?

भारतीय UPI और RuPay भारत समेत फ्रांस, संयुक्त अरब अमीरात (UAE), सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, मॉरीशस, कतर, ओमान, दक्षिण कोरिया जैसे देशों में चलता है. हालांकि फ्रांस के कुछ हिस्सों में RuPÔy नहीं चलता है, लेकिन कुछ

क्या भारत बना पाएगा अपना स्पेस स्टेशन? कितना आएगा बनाने में खर्चा? अब तक किन–किन देशों के पास?

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के स्पेस सेक्टर को लेकर अपना विजन दुनिया के सामने रखा। मेलबर्न में आयोजित इवेंट में भारतीय लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत चंद्रयान मिशन की सफलता पर रुकने वाला नहीं है। भारत अब गगनयान ूमन स्पेसफ्लाइट मिशन और खुद का स्पेस स्टेशन बनाने जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम कर रहा है। पीएम मोदी इस वक्त ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और इंडोनेशिया के तीन देशों के दौरे पर हैं। उन्होंने करीब 30,000 भारतीयों के सामने साफ कहा कि भारत का स्पेस मिशन "ग्रो

मोर–अचीव मोर" के मोटो पर चल रहा है। ऐसे में जानना जरूरी हो जाता है कि आखिर एक स्पेस स्टेशन कितने रुपए में बनता है, कितना खर्चा आता है और ये है किस काम का।

भारत लॉन्च कर रहा पहला ऑर्बिटल रॉकेट

पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय प्राइवेट एयरोस्पेस कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने अपने विक्रम–1 ऑर्बिटल रॉकेट की टेस्ट फ्लाइट का एलान किया है। 'मिशन आगमन' नाम का यह प्रोजेक्ट भारत के प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है क्योंकि यह देश का पहला प्राइवेट ऑर्बिटल रॉकेट लॉन्च होगा। कंपनी के मुताबिक, सतीश धवन स्पेस सेंटर के फर्स्ट लॉन्च पैड (ऋछढ) पर रॉकेट को पूरी तरह असेंबल कर लिया गया है। इसका लॉन्च विंडो 12 जुलाई से 4 अगस्त 2026 के बीच तय किया गया है, जिसका मकसद पेलोड को 450 किलोमीटर की लो अर्थ ऑर्बिट में 60–डिग्री के झुकाव पर स्थापित करना है।

मौजूदा वक्त में ISS और तियानगोन्ग दो स्पेस स्टेशन अंतरिक्ष में काम कर रहे हैं। जिसमें से क्रर अमेरिका, रूस, यूरोप, कनाडा और जापान का साझा स्पेस स्टेशन है, जबकि तियानगोन्ग चीन का अकेले स्वामित्व वाला स्पेस स्टेशन है जो 2022 से स्पेस में काम कर रहा है। ऐसे में आप समझ सकते हैं कि एक स्पेस स्टेशन को बनाने और उसे चलाने में कितना खर्च आता है।

क्या–क्या है स्पेस स्टेशन के भीतर?

ठअरअ की वेबसाइट के मुताबिक क्रर 109 मीटर लंबा स्पेस स्टेशन है जो 4,19,725 किलोग्राम का है। जो सोलर एनर्जी से चलता है। इसके सोलर पैनल आकार में इतने बड़े हैं कि 1 एकड़ के खेत को कवर कर लें। इस स्पेस स्टेशन में रहने के लिए 7 स्लीपिंग केबिन (क्वार्टर), दो टॉयलेट, एक जिम और एक खिड़की है जिससे धरती का 360 डिग्री का नजारा मिलता है। यह स्पेस स्टेशन धरती से 402 मीटर की ऊंचाई पर घूमता रहता है जो धरती की कुल आबादी के 90 प्रतिशत हिस्से को कवर कर लेता है।

एक स्पेस स्टेशन बनाने और चलाने में कितना आता है खर्च?

NASA की रिपोर्ट के मुताबिक उसे क्रर चलाने में हर साल तकरीबन 3 बिलियन डॉलर (लगभग 29 हजार करोड़ भारतीय रुपए) का खर्चा आता है। जबकि इसे बनाकर लॉन्च करने में तकरीबन 150 बिलियन डॉलर (लगभग 14.3 लाख करोड़ भारतीय रुपए) का खर्च आता है।

इस मानसून सत्र में नहीं पेश होगा वन नेशन वन इलेक्शन बिल! सरकार को करना होगा इंतजार, जेपीसी कब सौंपेंगी रिपोर्ट?

(जीएनएस)।

देश में वन नेशन वन इलेक्शन को लेकर सरकार को थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने से जुड़े विधेयकों की समीक्षा कर रही संयुक्त संसदीय समिति इस मानसून सत्र में अपनी रिपोर्ट संसद में नहीं पेश कर पाएगी।

गौरतलब है कि लोकसभा ने समिति का समय मॉनसून सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ा दिया था, लेकिन काम अभी अधूरा है। मॉनसून सत्र जुलाई के तीसरे हफ्ते में शुरू होने वाला है और संयुक्त संसदीय समिति को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपने के लिए और समय है।

समिति की क्या स्थिति है, किन विधेयकों की समीक्षा कर रही है खढउ?

भाजपा सांसद पीपी चौधरी की अध्यक्षता में बनी 39 सदस्यों वाली यह समिति दो अमह बिलों पर काम कर रही है। पहला–संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024 और दूसरा केंद्र शासित प्रदेश कानून संशोधन बिल 2024। ये विधेयक एक बार दिसंबर 2024 में लोकसभा में पेश किए जा चुके हैं।

समिति अब तक 10 राज्यों का दौरा कर चुकी है। बुधवार को दिल्ली विधानसभा जाकर वहां लोगों से बात करेगी। कई और राज्यों में अभी दौरा बाकी है। समिति के चेयरमैन ने संकेत दिया है कि भले ही कानूनी प्रक्रिया पूरी हो जाए, लेकिन 2034 से पहले एक साथ दोनों चुनाव को कराने के आसार कम दिख रहे हैं।

डेलिमिटेशन बिल के साथ जोड़ने की कोशिश

खबरों के मुताबिक–वन नेशन वन इलेक्शन बिल के साथ ही साथ सरकार इस बार मॉनसून सत्र में डेलिमिटेशन (सीटों की नई सीमाएं तय करना) का बिल भी पास कराने की तैयारी कर रही है। एक्सप्रेस कि रिपोर्ट बताती है कि दोनों मुद्दों को साथ जोड़कर इखढ ज्यादा समर्थन जुटाने की कोशिश हो रही है।

ध्यान रहे कि बजट सत्र 2026 में केंद्र सरकारी की पूरी कोशिशि के बावजूद भी महिला आरक्षण से जुड़ा डेलिमिटेशन बिल विपक्ष की एकजुटता के कारण लोकसभा में पास नहीं हो सका था। अब सरकार 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले महिला आरक्षण लागू करने के लिए यह बिल पास कराना चाहती है। इसके लिए

ठऊ्अ को लोकसभा में 360 वोट यानी दो–तिहाई बहुमत की जरूरत पड़ेगी।

आखिर मोदी सरकार क्यों चाहती है एक साथ चुनाव?

सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर केंद्र सरकार डल्ली ठंड्रङ्गल्ल डल्ली एीड्रङ्गल्ल की इतनी पक्षधर क्यों है? जबकि विपक्ष लगातार इसका विरोध कर रहा है। इसके जवाब में सरकार का तर्क है कि बार–बार चुनाव होने से खर्च काफी बढ़ जाता है। जिसका असर सरकारी बजट पर भारी पड़ता है। वहीं दूसरी ओर हर चुनाव के दौरान लागू होने वाली आचार संहिता के कारण राज्यों और शहरों में विकास कार्यों और नीतिगत फैसलों पर असर पड़ता है।

सरकार बार–बार अपनी सफाई पेश करते हुए बता रही है कि यदि पूरे देश में एक साथ चुनाव होंगे तो चुनावों पर होने वाला खर्च कम होगा और प्रशासनिक संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। जिससे सरकारें विकास और प्रशासन पर अधिक ध्यान दे सकेंगी।

विपक्ष क्यों कर रहा है इसका विरोध?

क्ल्र्ल्रं गठबंधन एकजुट होकर एक राष्ट्र एक चुनाव का लगातार विरोध कर रही है। कांग्रेस इन मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर फेडरल स्ट्रक्चर पर प्रहार करने का आरोप लगा रही है। विपक्ष का कहना है कि 'वन नेशन, वन इलेक्शन' भारत की संघीय व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।

विपक्ष का तर्क है कि यदि किसी राज्य सरकार का कार्यकाल बीच में समाप्त हो जाए तो संवैधानिक संकट पैदा हो सकता है। अगर किसी राज्य में सरकार गिर गई तो क्या पूरे देश में नए चुनाव कराए जाएंगे? यह सवाल भी उठाया जा रहा है। इसी वजह से विपक्ष इस प्रस्ताव पर व्यापक चर्चा और संवैधानिक समीक्षा की मांग कर रहा है।

क्या है एक देश–एक चुनाव का मतलब?

'वन नेशन वन इलेक्शन' यानी एक देश, एक चुनाव का मतलब है कि पूरे भारत में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक ही समय पर हों। अभी इस पर सभी राज्यों कि स्थिति अलग–अलग थी। हर साल कहीं लोकसभा, कहीं विधानसभा, कहीं पंचायत के चुनाव चलते रहते हैं। गौरतसब है कि इस प्रक्रिया में संवैधानिक संशोधन, राज्यों की सहमति, एउ की तैयारियां और राजनीतिक सहमति शामिल हैं। इसलिए इसे लागू करने में अभी कई साल लग सकते हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

प्रतापगढ़ में 160 स्कूल वाहनों के परमिट नहीं मिले:डीएम ने सड़क सुरक्षा बैठक में अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए

(जीएनएस)।

प्रतापगढ़ में शुक्रवार को सड़क सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने स्कूल वाहनों की सुरक्षा, यातायात नियमों के पालन और सड़क दुर्घटनाओं में मदद करने वाले लोगों के सम्मान जैसे मुद्दों पर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

विकास भवन सभागार में शुक्रवार शाम जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति और विद्यालय यान समिति की बैठक हुई। समीक्षा के दौरान यह सामने आया कि जिले के 160 विद्यालयों के वाहनों के पास परमिट नहीं है।

जिलाधिकारी ने एआरटीओ को निर्देश दिए कि वे विशेष शिविर लगाकर सभी विद्यालयों के वाहनों के परमिट सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना फिटनेस और निर्धारित मानकों वाले स्कूल वाहन किसी भी स्थिति में संचालित नहीं होने चाहिए। ऐसे वाहन पाए जाने पर संबंधित विद्यालय के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में दोस्ती कॉन्वेंट पब्लिक स्कूल, सैफाबाद के वाहन दुर्घटना प्रकरण का भी जिक्र किया गया। संबंधित वाहन मानकों के अनुरूप

नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने विद्यालय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त, विद्यालय की बाउंड्री पर नोटिस चस्पा करने और अभिभावकों को विद्यालय की मानकहीन स्थिति की जानकारी देकर बच्चों को अन्य विद्यालयों में प्रवेश दिलाने की सलाह देने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में यह भी बताया गया कि चिन्हित किए गए गुड सेमेरिटन (नेक मददगार) को अभी तक सम्मानित नहीं किया गया है। इस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और एआरटीओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अगली बैठक तक सम्मान की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इसके अतिरिक्त, 20 या उससे अधिक बार यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले लाइसेंस धारकों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए। ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह ने शहर के जर्जर भवनों का मुद्दा उठाया। इस पर जिलाधिकारी ने नगर निकायों को ऐसे भवनों को चिन्हित कर आवश्यक कार्रवाई करने और ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को तेज रफ्तार, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट और ओवरलोडिंग के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. राममोहन मीना, एआरटीओ ए.के. शुक्ला, अधिशासी अभियंता ओ.पी. चौरसिया, ईओ नगर पालिका राकेश कुमार, ट्रांसपोर्ट यूनियन अध्यक्ष विजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

तीन उद्यमियों-समाजसेवियों को सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, परिजनों को बंधाया ढांढस

(जीएनएस)।

गोरखपुर,

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में दिवंगत उद्योगपति व समाजसेवी ओमप्रकाश जालान, बालकृष्ण सराफ और दर्शन देवी के आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की, ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर के तीन उद्यमियों-समाजसेवियों ओमप्रकाश जालान, बालकृष्ण सराफ और दर्शन देवी के घर जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने गोरक्षपीठ के प्रति अगाध आस्था रखने वाले तीनों दिवंगतजन की उद्यमिता, कारोबार, समाजसेवा और सांस्कृतिक जागरण में योगदान को याद किया और शोक संतप्त परिजनों को ढांढस बंधाया।

मुख्यमंत्री सबसे पहले जंगल नकहा नंबर दो स्थित ओमप्रकाश जालान के आवास पर जाकर पहुंचे। पूर्वांचल के प्रतिष्ठित उद्योगपति और समाजसेवी रहे ओमप्रकाश जालान

का 8 जुलाई को निधन हो गया था। मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय जालान के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और शिवावतार महायोगी गोरखनाथ जी से उनकी आत्मा को चिर शांति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्वर्गीय जालान की पत्नी पूनम जालान, पुत्रों अनुज जालान, तनुज जालान व अन्य परिजनों से भी मुलाकात की। आत्मीयता से बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया।

इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोलघर के गांधी गली स्थित बालकृष्ण सराफ के घर आए। कारोबारी, समाजसेवी और राम मंदिर आंदोलन के समर्पित कार्यकर्ता रहे बालकृष्ण सराफ का 4 जुलाई को निधन हो गया था। सीएम योगी ने स्वर्गीय सराफ के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने स्मृतिशेष सराफ के पुत्रों अतुल सराफ, अनूप सराफ और अन्य परिजनों से आत्मीयतापूर्ण संवाद किया और उन्हें ढांढस बंधाया।

शोक संवेदना व्यक्त करने के क्रम में सीएम योगी गीता प्रेस के ट्रस्टी देवीदयाल अग्रवाल के हरिओम नगर स्थित आवास पर भी गए। उन्होंने 8 जुलाई को गोलोकवासी हुई देवीदयाल की माता दर्शन देवी पत्नी स्वर्गीय बैजनाथ अग्रवाल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय दर्शन देवी के पुत्रों दीनदयाल अग्रवाल, देवीदयाल अग्रवाल, माधव प्रसाद अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, हरि अग्रवाल और अन्य परिजनों से बातचीत कर अपनी संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें ढांढस बंधाया।

तंबू के नीचे किशोर का शव रखकर धरने पर बैठे आक्रोशित परिवार के लोग, प्रतापगढ़ के डीएम को बुलाने की मांग की

(जीएनएस)।

कंधई (प्रतापगढ़)। कोनी गांव में आठ जुलाई को किशोर की हत्या कर दी गई थी। इससे परिवार के लोगों में गहरा आक्रोश है। पोस्टमार्टम के बाद नौ जुलाई को किशोर का शव घर लाए जाने के बाद से स्वजन सहित ग्रामीण घर के सामने टेंट लगाकर शव रखकर धरना दे रहे हैं। आज शुक्रवार को भी धरना जारी है। अपनी मांगों को लेकर परिवार के लोग प्रतापगढ़ के डीएम को बुलाने की मांग कर रहे हैं।

अड़े लोग

डीएम को बुलाने की मांग पर कोनी गांव निवासी पृथ्वीपाल पटेल के 14 वर्षीय पुत्र की जमीन के विवाद में पड़ोसियों ने बुधवार को हत्या कर दी थी। शुक्रवार सुबह कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी, सदर विधायक राजेंद्र मौर्य तथा पूर्व विधायक नागेन्द्र उर्फ मुन्ना यादव ने कोनी गांव पहुंच कर किशोर के स्वजन को अंतिम संस्कार के लिए समझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। किशोर के स्वजन डीएम को बुलाने पर मांग पूरी होने पर ही अंतिम संस्कार की बात कर रहे हैं।

सीएम योगी के बयान से फिर चर्चा में आया 2003 का हनुमानगढ़ी रोजा इफ्तार, आखिर क्या था पूरा मामला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के दौरान दिए गए एक बयान के बाद करीब दो दशक पुरानी घटना फिर चर्चा में आ गई. योगी ने कहा कि पहले हनुमानगढ़ी में कुछ लोग रोजा इफ्तार करवाते थे. उनके इस बयान के बाद साल 2003 में आयोजित उस रोजा इफ्तार कार्यक्रम को लेकर फिर बहस शुरू हो गई है, जिसे उस समय सांप्रदायिक सौहार्द और हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिसाल बताया गया था. आखिर वह आयोजन कब, क्यों और किन परिस्थितियों में हुआ था, आइए जानते हैं पूरी कहानी.

अयोध्याः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज अयोध्या दौरे पर थे उस दौरान उन्होंने एक बड़ा बयान सिद्ध पीठ हनुमानगढ़ी को लेकर दिया. जिसमें उन्होंने कहा कि हनुमानगढ़ी में कुछ लोग पहले रोजा इफ्तार करवाते थे. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस बयान के बाद एक बार फिर साल 2003 की घटना अयोध्या में चर्चा का विषय बन गई है. तो चलिए इस रिपोर्ट में विस्तार से समझते हैं.

दरअसल वर्ष 2003 में अयोध्या में सांप्रदायिक सौहार्द और आपसी भाईचारे का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित एक रोजा इफ्तार कार्यक्रम काफी चर्चा में रहा था. उस समय हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ महंत और तत्कालीन अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत ज्ञान दास ने अपने आवास पर रोजा इफ्तार का आयोजन कराया था. यह आयोजन उस दौर में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल के रूप में देखा गया था.

बताया जाता है कि शुरूआत में हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर रोजा इफ्तार कराने की योजना थी.लेकिन स्थानीय संत-महंतों के विरोध के बाद तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने वहां आयोजन की अनुमति नहीं दी. इसके बाद महंत ज्ञान दास ने अपने आवास पर ही रोजा इफ्तार का आयोजन कराया.

इस कार्यक्रम में बाबरी मस्जिद मामले के प्रमुख पक्षकार रहे हाशिम अंसारी भी शामिल हुए थे. उनके साथ सादिक अली और बाबू ट्रेलर सहित कई अन्य लोग भी रोजा इफ्तार में मौजूद रहे. उस समय यह आयोजन सामाजिक और धार्मिक सद्भाव का संदेश देने वाले कार्यक्रम के रूप में चर्चा का विषय बना था.

वरिष्ठ पत्रकार आनंद गुप्ता के अनुसार महंत ज्ञान दास के आवास पर आयोजित इस रोजा इफ्तार में विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया था. कार्यक्रम का उद्देश्य धार्मिक सौहार्द, आपसी विश्वास और सामाजिक एकता को मजबूत करना था. अयोध्या लंबे समय से धार्मिक आस्था का केंद्र होने के साथ-साथ सामाजिक समरसता के कई उदाहरणों की भी साक्षी रही है.

वर्ष 2003 का यह रोजा इफ्तार कार्यक्रम भी उन्हीं घटनाओं में शामिल माना जाता है, जिसमें अलग-अलग धर्मों के लोगों ने एक साथ बैठकर भाईचारे और सद्भाव का संदेश दिया था.आज भी इस आयोजन का उल्लेख अयोध्या में हिंदू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सौहार्द की मिसाल के रूप में किया जाता है.उस समय हुए इस कार्यक्रम ने यह संदेश देने का प्रयास किया था कि आपसी संवाद, सम्मान और भाईचारा किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होते हैं.

'15 दिन में खुद तोड़ो वरना...', लखनऊ की जिस बिल्डिंग में गई 15 मासूमों की जान, एलडीए चलाने जा रहा बुलडोजर

लखनऊ विकास प्राधिकरण ने अलीगंज की उस बिल्डिंग को ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया है, जिसमें 22 जून को आग लगने से 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी. आदेश में बिल्डिंग मालिक को 15 दिन का समय खुद तोड़ने के लिए दिया गया है. अवैध निर्माण पाए जाने पर जारी ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है. जिस भवन में हादसा हुआ, उसे रिहायशी उपयोग के लिए मंजूरी मिली थी. बाद में वहां कोचिंग सेंटर, एनीमेशन स्टूडियो, लाइब्रेरी और दूसरी व्यावसायिक गतिविधियां चलाई जाने लगीं.

(जीएनएस)।

लखनऊ. राजधानी लखनऊ की जिस बिल्डिंग में पिछले महीने हुए दर्दनाक हादसे ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, उसे अगले 15 दिन में जमींदोज कर दिया जाएगा. लखनऊ विकास प्राधिकरण (छऊअ) ने अलीगंज की बिल्डिंग को ध्वस्त करने का आदेश जारी कर दिया है. इसी बिल्डिंग में 22 जून को आग लगने से 15 लोगों की जान गई थी. आदेश में

बिल्डिंग मालिक को 15 दिन का समय खुद तोड़ने के लिए दिया गया है. एलडीए का कहना है कि यह समय इसलिए दिया गया है क्योंकि नियमावली में ऐसा प्रावधान है. 15 दिन में यदि भवन स्वामी खुद निर्माण नहीं तोड़ेगा तो एलडीए उसको तोड़ेगा और उस पर आने वाला खर्च भी वसूल करेगा.

भवन ध्वस्तीकरण की मंजूरी एलडीए कोर्ट की ओर से दी गई. अवैध निर्माण पाए जाने पर जारी ध्वस्तीकरण का आदेश जारी किया गया है. स्वीकृत मानचित्र के विपरीत बिल्डिंग का निर्माण किया गया है. फायर सुरक्षा में भी गंभीर खामियां मिली हैं. इससे पहले एलडीए ने बिल्डिंग को अवैध मानते हुए उसके मालिक को नोटिस जारी किया था. तब एलडीए ने कहा था कि अगर 15 दिन के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिला तो भवन पर बुलडोजर चलाया जा सकता है. लखनऊ अग्निकांड के बाद एलडीए एक्शन में आया. जिन रेसिडेंशियल प्लॉट पर कमर्शियल एक्टिविटी चल रही थी, उन 1 हजार लोगों को भी नोटिस भेजा गया.

रिहायशी के लिए मंजूरी, लेकिन

जिस भवन में हादसा हुआ, उसे मूल रूप से रिहायशी उपयोग के लिए मंजूरी मिली थी. बाद में वहां कोचिंग सेंटर, एनीमेशन स्टूडियो, लाइब्रेरी और दूसरी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जाने लगीं. छऊअ के अधिकारियों ने पुष्टि की कि भवन को आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृति मिली थी. इसके बाद सवाल उठने लगे कि संबंधित विभागों ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की.

राम मंदिर चंदा घोटाले पर मौन हैं सीएम योगी, 2027 में भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी अवधेश प्रसाद

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा हनुमानगढ़ी में नमाज, राम मंदिर और समाजवादी पार्टी को लेकर दिए गए हालिया बयानों पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी जनहित के मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास कर रहे हैं और राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़े कथित अनियमितताओं के मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने राम मंदिर चंदा चोरी मामले में एसआईटी जांच, अखिलेश यादव के 'सनातन ही समाजवाद' है वाले बयान और बसपा प्रमुख मायावती के हालिया बयान पर भी प्रतिक्रिया दी।

अवधेश प्रसाद ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज उनके विधानसभा क्षेत्र में गए थे, जहां से वह सात बार विधायक चुने गए और पांच बार मंत्री भी रहे। देशभर में आज जिस मुद्दे की चर्चा हो रही है, वह राम मंदिर में चढ़ावे और दान से जुड़े कथित घोटाले का है। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले पर मुख्यमंत्री ने अपने दौरे के दौरान एक शब्द भी नहीं कहा। लोगों के बीच राम मंदिर के चढ़ावे, दान, सोना, चांदी, हीरे-जवाहरात, नकदी और जमीन से जुड़े सवाल चर्चा का विषय बने हुए हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इससे ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री दबाव में हैं।

अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने किसानों को खाद की कमी, युवाओं के पेपर लीक, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों जैसे जनसरोकार के मुद्दों पर भी कोई बात नहीं की। धान की रोपाई का समय है और किसानों को खाद नहीं मिल रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे हैं, महंगाई बढ़ रही है और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों से आम लोग परेशान हैं, लेकिन सरकार इन विषयों पर मौन है। भाजपा के पास अब कोई नया मुद्दा नहीं बचा है, इसलिए पुराने विवादों को दोबारा उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2027 के विधानसभा चुनाव और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चिंतित हैं। अवधेश प्रसाद ने दावा किया कि 2027 का विधानसभा चुनाव ऐतिहासिक होगा और भाजपा को जनता का समर्थन नहीं मिलेगा। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा, सरकार की मुश्किलें बढ़ेंगी।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में एसआईटी जांच पर प्रतिक्रिया देते हुए सपा सांसद ने कहा कि उन्हें इस जांच पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि एसआईटी के गठन और उसकी निष्पक्षता पर सवाल हैं। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय की निगरानी में एक स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच टीम गठित की जानी चाहिए। अवधेश प्रसाद ने यह भी मांग की कि जांच पूरी होने तक राम मंदिर ट्रस्ट को भंग किया जाए और ट्रस्ट के किसी भी सदस्य को जांच प्रक्रिया को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं रहने दिया जाए।

लखनऊ में यातायात सिस्टम में सुधार के लिए पीडब्लूडी 69 स्थानों पर लगाएगा स्थायी बैरियर, 13 सर्किल में होंगे सुधार कार्य

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) का प्रांतीय निर्माण खंड, 13 सर्किलों में स्थायी बैरियर लगाने जा रहा है। शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों, तिराहों एवं मार्गों पर यातायात संचालन को सुव्यवस्थित करने के लिए अस्थायी बैरियर हटाकर स्थायी बैरियर लगेंगे। इस प्रयास से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ यातायात संचालन में सुधार की उम्मीद है।

पुलिस उपायुक्त, यातायात द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेख किया गया है कि अस्थायी बैरियर लगाने से बार-बार क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। वहीं प्रांतीय निर्माण खंड एक ने सभी 69 स्थानों पर लगने वाले बैरियर की लंबाई, ऊंचाई और चौड़ाई के हिसाब से एस्टीमेट बनाने का काम शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि एक से दो माह में इस स्थायी बैरियर को लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं ने बताया कि स्थायी बैरियर बन जाने से दो पहिया वाहन जो अभी नियमों का पालन नहीं करते हैं, वह मजबूर होकर करेंगे, क्योंकि वाहन सीमेंटेड बैरियर लगने पर नहीं निकल सकेंगे। यह बैरियर 23 फीट से लेकर 288 फीट तक लगाए जाएंगे।

बनाए जाएंगे लंबाई वाले बैरियर

प्रांतीय निर्माण खंड एक के अभियंता के मुताबिक गोमती नगर सर्किल में जयपुरिया तिराहा से शहीद पथ के पास, आइजीपी चौराहा, किसान बाजार यू टर्न सिनेपाल माल नगर चौराहा सहित कई तिराहे व के सामने, मटियारी चौराहा ब्रिज के नीचे, चिनहट चौराहा ब्रिज के नीचे से, कमता तिराहा, कमता ब्रिज के नीचे, श्रीराम टावर, सीएमएस स्कूल हुसैनगंज के सामने, महाराणा प्रताप चौराह के पास अलग-अलग लंबाई के बैरियर बनेंगे।

हजरतगंज सर्किल में ला मार्टिनियर, केडी सिंह स्टेडियम मेट्रो के नीचे, मल्टीलेवल पार्किंग, अटल चौराहा हजरतगंज, विधानसभा के सामने, बर्लिंग्टन चौराहा, बादशाहनगर, वायरलेस चौराहा से सीपी आफिस, रहीम चौराहे हैं।

लोक निर्माण विभाग करेगा काम

इसके अलावा गोसाईगंज क्षेत्र, कैंट क्षेत्र, काकोरी क्षेत्र, कृष्णा नगर क्षेत्र, कैसरबाग सर्किल, चौक सर्किल, गाजीपुर सर्किल, अलीगंज सर्किल, महानगर सर्किल, मोहनलालगंज सर्किल के चौराहों व सड़कों पर स्थायी बैरियर लगाने का काम लोक निर्माण विभाग करेगा।

ट्रैफिक व्यवस्था में और सुधार के लिए यातायात पुलिस की ओर से स्थायी बैरियर लगाने के लिए पत्र प्राप्त हुआ है। राजधानी के 13 सर्किलों में 69 चौराहों, तिराहों व मार्गों पर स्थायी बैरियर लगाए जाएंगे। इसके लिए एस्टीमेट की प्रकिया चल रही है। जल्द ही काम भी चौराहों पर दिखेगा। -सत्येन्द्र नाथ, अधिशासी अभियंता, प्रांतीय निर्माण खंड एक

गोरखपुर के तीन दिवसीय दौरे पर सीएम योगी, देंगे बड़ी सौगात

गोरखपुर के भटहट-बांसस्थान फोरलेन सहित करीब 697 करोड़ रुपये की चार सड़क परियोजनाओं की सौगात देंगे मुख्यमंत्री.

(जीएनएस)।

गोरखपुरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज शुक्रवार को तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे हैं. वह जनता को रोड कनेक्टिविटी के बड़े नेटवर्क का सौगात देंगे, व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में गोरखपुर की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले व्यापारियों के निधन बाद उनके घर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि भी देंगे.

इस दौरान बस्ती में 600 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे. गोरखपुर के भटहट-बांसस्थान फोरलेन सहित करीब 697 करोड़ रुपये की चार सड़क परियोजनाओं की भी सौगात देंगे. इसके अलावा वामंत माता मंदिर के समीप आयोजित होने वाले समारोह में, मुख्यमंत्री 54 करोड़ रुपये की लागत वाली सात परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे.

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पित होने वाली सड़क परियोजनाओं में सबसे महत्वपूर्ण भटहट-बांसस्थान फोरलेन है. 11.6 किमी लंबे इस मार्ग पर ही प्रदेश का पहला आयुष विश्वविद्यालय भी बना है. मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग ने सड़क के दोनों ओर मानक के अनुरूप जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था की है. सड़क लोकार्पण की चारों और शिलान्यास की सभी सात परियोजनाएं पिपराइच विधानसभा क्षेत्र की हैं.

परियोजनाएं:

भटहट-बांसस्थान फोरलेन सड़क, लंबाई 11.6 किमी, लागत 689 करोड़ 35 लाख 33 हजार रुपये.चकजलाल घोड़ादेउर संपर्क मार्ग, लंबाई 4.85 किमी, लागत 3 करोड़ 59 लाख 40 हजार रुपये.हाफिज नगर द्वितीय संपर्क मार्ग, लंबाई 2.05 किमी, लागत 1 करोड़ 67 लाख 25 हजार रुपये.पिपराइच बरगदही मार्ग से सिरसिया महादेव मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 0.635 किमी, लागत 2 करोड़ 30 लाख 21 हजार रुपये.

इन विकास कार्यों का सीएम करेंगे शिलान्यासःभरवलिया एकला मार्ग का नवनिर्माण, लंबाई 2 किमी, लागत 1 करोड़ 53 लाख रुपये.गुलरिहा रामनगर से एकला ग्राम तक मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 3.5 किमी, लागत 6 करोड़ 95 लाख 71 हजार रुपये.सरैया बांसस्थान मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण, लंबाई 13.8 किमी, लागत 38 करोड़ 32 लाख 92 हजार रुपये.ग्राम सिरसिया में महादेव कुंड का पर्यटन विकास, लागत 3 करोड़ 98 लाख 85 हजार रुपये.ग्राम बूढ़ाडीह में समय माता मंदिर का पर्यटन विकास, लागत 1 करोड़ 77 लाख 37 हजार रुपये.ग्राम औरंगाबाद का ग्रामीण पर्यटन विकास, लागत 96 लाख 29 हजार रुपये.जंगल डुमरी नंबर एक से फैलहवा कोदईसाह टोला तक लेपन कार्य, लागत 61 लाख 54 हजार रुपये.

वहीं महानगर के नव पर्यटन स्थल चिलुआताल के किनारे योगी सरकार के द्वारा करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से भजन संध्या स्थल का निर्माण कराया जा रहा है. इसी साल अगस्त माह तक निर्माण पूर्ण होने की उम्मीद है.

वहीं, 20 करोड़ 39 लाख रुपये की लागत से चिलुआताल का सौंदर्यीकरण कराने के साथ ही यहां भजन संध्या स्थल का निर्माण भी कराया जा रहा है. इससे लोगों को घाट पर सैर सपाटे के साथ भजन सुनने का भी आनंद प्राप्त होगा. इस भजन संध्या स्थल पर एक साथ 1014 लोग बैठकर भजनों की सरिता में डुबकी लगा सकेंगे.

भजन संध्या स्थल में एक विशाल स्थायी मंच बनाया जा रहा है, जिससे कलाकार भजनों की प्रस्तुति करेंगे. इसके अलावा श्रद्धालुओं के लिए सीढ़ीनुमा श्रोता दीर्घा बनाई जा रही है. इससे विपरीत मौसम में भी श्रोता भजनों का आनंद ले सकेंगे यहां कलाकारों के ग्रीन रूम बनाया जाएगा,

इसके आलावा, टायलेट ब्लाक, पेयजल पोस्ट और पार्किंग की समुचित व्यवस्था भी होगी. स्थल का माहौल प्राकृतिक हो, इसके लिए पौधरोपण और लैंड स्केपिंग भी कराई जाएगी. स्थल की दीवारों को स्प्रिचुअल म्यूरल पेंटिंग्स (आध्यात्मिक चित्रों) से सजाया जाएगा. कार्यदायी संस्था यूपी राजकीय निर्माण निगम के मुताबिक निर्माण अगस्त 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

स्पेन में कैसे आग के तांडव में मरे 12 लोग? 23 लापता, कार में फंसे-पैदल भागते जिंदा जले

(जीएनएस)।

यूरोप इस समय भीषण गर्मी के 'तंदूर' में तप रहा है। इस बीच, स्पेन के दक्षिणी प्रांत अल्मेरिया का जंगल आग की चपेट में आ गया। अधिकारियों के अनुसार, तबाही के बीच कम से कम 12 लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि 23 अन्य लापता हो गए।

मंजर इतना खौफनाक था कि कई लाशें कारों के अंदर जली हुई मिलीं। इससे साफ जाहिर है कि आग की लपटें इतनी विकराल थी कि जान बचाने के लिए कार से भी भाग न सके। स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने शोक व्यक्त किया है। वहीं, अंडालूसिया क्षेत्र के नेता जुआन मैनुअल मोरेनो ने घटना पर शोक व्यक्त किया। साथ ही इसे क्षेत्र की अब तक की सबसे भयानक आग बताया गया। आइए विस्तार से जानते हैं कि आखिर क्या हुआ? कैसे फैली आग?

आग सिएरा डे लॉस फिलाब्रेस पहाड़ों के पास एक कम बारिश वाले इलाके के एक छोटे से गांव में लगी थी। अधिकारियों ने आग लगने की वजह की पुष्टि नहीं की है, लेकिन आग की सूचना देने के लिए फोन करने वाले लोगों ने बताया कि बिजली की एक गिरी हुई लाइन से आग लगी, जो तेजी से पास के जंगल में फैल गई।

अंडालूसिया के क्षेत्रीय नेता जुआन मैनुअल मोरेनो ने बताया कि 8 लोग घायल हुए हैं और 23 लोगों का अभी तक कोई पता नहीं चला है। स्पेन की मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट के लगभग 150 फायरफाइटर और 220 सैनिक आग बुझाने में लगे हुए थे, जिसने 3,200 हेक्टेयर से ज्यादा जंगल और खेती की जमीन को अपनी चपेट में ले लिया है। क्षेत्रीय आपातकालीन अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में 4 ब्रिटिश नागरिक और अन्य विदेशी नागरिक शामिल हो सकते हैं।

पैदल भागते-भागते जिंदा जले 7 लोग, तड़प-तड़प कर मौत

अंडालूसिया की आपातकालीन सेवाओं के प्रमुख एंटोनियो सैन्ज ने

कहा कि ज्यादातर की मौत भागने की कोशिश में हुई और उन्होंने 'वहीं सुरक्षित रहने' (शेल्टर-इन-प्लेस) के निर्देशों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि एक समूह ने सूखी नदी के रास्ते से भागने की कोशिश की, जो 'मौत का जाल' बन गया। सैन्ज ने बताया कि सात लोगों की मौत पैदल भागते समय हुई, जब उन्होंने अपनी कारें छोड़ दी थीं। शायद वे बाहर निकलने का रास्ता ढूंढ रहे थे। सैन्ज ने कहा कि इसके नतीजे बहुत भयानक रहे हैं। सब कुछ यही बताता है कि मरने वालों में... ज्यादातर, या शायद सभी, विदेशी नागरिक हैं।

स्पेन PM पेड्रो सांचेज ने बताया रेस्क्यू का पूरा प्लान?

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि अल्मेरिया प्रांत में लगी आग के भयानक नतीजों को देखकर बहुत दुख और निराशा हो रही है। साथ ही कहा कि मैंने अभी अंडालूसिया के क्षेत्रीय नेता जुआन मैनुअल मोरेनो से बात की है। इस त्रासदी से निपटने के लिए हम शुरू से ही विभिन्न संस्थाओं के बीच पूरे सहयोग के साथ काम कर रहे हैं। आग बुझाने और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए स्पेन सरकार के सभी संसाधन (सामग्री और कर्मी) पहले ही तैनात कर दिए गए हैं। मैं मृतकों के परिवारों के प्रति सरकार की संवेदना और सभी पड़ोसियों के साथ एकजुटता दोहराता हूं। कृपया, अधिकारियों और आपातकालीन सेवाओं की सलाह का पालन करें। बहुत सावधानी बरतें।

लॉस गैलार्डोस (अल्मेरिया) में लगी आग को बुझाने के लिए स्पेन सरकार के संसाधन जुटे हुए हैं। गार्डिया सिविल (सिविल गार्ड) के 160 कर्मी, 52 वाहन, 2 हेलीकॉप्टर, 2 ड्रोन लगाए गए हैं। टक्ळएउड (इकोलॉजिकल ट्रांज़िशन और डेमोग्राफिक चैलेंज मंत्रालय) ने 4 एम्फीबियस एयरक्राफ्ट (वॉटर बॉम्बर), 1 फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर तैनात हैं।

UME (मिलिट्री इमरजेंसी यूनिट): 220 कर्मी, 70 वाहन

सिविल प्रोटेक्शनः 34 कर्मी, 2 वाहन

स्पेन में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, आग का तांडव!

यूरोप फिर से भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। स्पेन ने हाल के वर्षों में बार-बार और भीषण लू (हीट वेव) का सामना किया है, जहां तापमान अक्सर 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला जाता है। हवा, ज्यादा तापमान और कम बारिश के कारण छोटी-छोटी आग बेकाबू होकर बड़ी आग का रूप ले लेती हैं। जून में, स्पेन में कई दिनों तक रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी, जिससे गर्मी के कारण 1,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतें हुईं। यूरोपीय संघ की कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस के अनुसार, यूरोप दुनिया का सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप है, जहां 1980 के दशक से तापमान वैश्विक औसत से दोगुनी तेजी से बढ़ रहा है। पश्चिमी यूरोप के कुछ हिस्सों में छह हफ्तों में तीसरी बार लू चल रही है।

वैश्विक स्तर पर, 2025 रिकॉर्ड पर तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जिसमें यूरोप भर में कई भीषण लू की लहरें देखी गईं। फ्रांस गर्मियों की अपनी तीसरी लू के चरम पर है, जहां पश्चिमी और मध्य क्षेत्रों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस और पेरिस में लगभग 37 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। फ्रांसीसी अधिकारियों ने जंगल की आग के बहुत ज्यादा जोखिम की चेतावनी भी दी है, क्योंकि दक्षिण में लगी बड़ी आग ने इस हफ्ते हजारों हेक्टेयर जमीन को जला दिया है, टूर डी फ्रांस साइकिल रेस में बाधा डाली है और आग बुझाने वाले संसाधनों पर दबाव डाला है।

स्पेन और पुर्तगाल पहले भी जानलेवा आग का सामना कर चुके

स्पेन के लिए जंगल की आग कोई नई बात नहीं है। 'यूरोपियन फॉरेस्ट फायर इन्फॉर्मेशन सिस्टम' के अनुसार, पिछले साल आग लगने के मौसम में 3,93,000 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल गई थी, जो लंदन के कुल क्षेत्रफल से दोगुना है। इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। 2017 में, पड़ोसी देश पुर्तगाल में लिस्बन से 200 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित पेड्रोगाओ ग्रांडे में जंगल की आग से 66 लोगों की मौत हो गई थी। उस आग में, एक ही सड़क पर अपनी कारों से भागने की कोशिश करते हुए 47 लोगों की जान चली गई थी।

लखनऊ में ब्रजेश पाठक ने 31 शिक्षकों को किया सम्मानित, कहा- राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं टीचर

(जीएनएस)।

लखनऊ। स्ववित्तपोषित विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन की ओर से गुरुवार को रक्षा मंत्री व पूर्व शिक्षक राजनाथ सिंह के जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर सहकारिता भवन में आयोजित शिक्षक शौर्य दिवस में मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने 31 शिक्षकों को सम्मानित किया।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष व भाजपा महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति हैं।

वे केवल पाठ्यक्रम का ज्ञान नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार, अनुशासन और जीवन मूल्यों का निर्माण भी करते हैं। एसोसिएशन की ओर से 1100 शिक्षकों को सम्मानित किया गया।

एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने कहा कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत भौतिक विज्ञान के शिक्षक के रूप में की थी। शिक्षक से देश के रक्षा मंत्री तक का उनका सफर परिश्रम, अनुशासन, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा की प्रेरक मिसाल है।

कार्यक्रम में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रत्येक वर्ष 10 जुलाई को 'शिक्षक शौर्य दिवस' मनाया जाएगा। एसोसिएशन ने उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर शासनादेश जारी करने की मांग की।

समारोह में विराज सागर, राजेश यादव, रितेश श्रीवास्तव, डा. अजीज खान व रामशंकर राजपूत सहित वक्ताओं ने शिक्षक समाज की भूमिका और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण पर विचार व्यक्त किए।

राजपाल यादव को जेल भेजने वालीं महिला जज स्वर्ण कांता शर्मा कौन हैं? पहले केजरीवाल से भी हो चुका है पंगा!

(जीएनएस)।

बॉलीवुड कॉमेडी किंग राजपाल यादव को दिल्ली हाई कोर्ट से बहुत बड़ा झटका लगा है। चेक बाउंस होने के पुराने मामले में कोर्ट ने उनकी अर्जी खारिज करते हुए उन्हें सीधा तीन महीने के लिए जेल भेज दिया है। इस कड़े फैसले को सुनाने वाली कोई और नहीं बल्कि दिल्ली हाई कोर्ट की धाकड़ जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा हैं।

जस्टिस शर्मा ने दो टूक शब्दों में कहा कि राजपाल यादव को कर्ज चुकाने के कई मौके दिए गए लेकिन वह हर बार नाकाम रहे। अब उनको और मौके नहीं दे सकते हैं। वैसे यह कोई पहली बार नहीं है जब जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा सुर्खियों में हैं। इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के केस और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मशहूर 'कॉकरोच जनता पार्टी' (उखढ) के हैंडल को लेकर भी उनके फैसले देश भर में चर्चा का विषय बन चुके हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कौन जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा।

राजपाल यादव को क्यों जाना पड़ा जेल?

यह पूरा विवाद 'मुरली प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड' कंपनी से जुड़े लोन और चेक बाउंस का है। मई 2024 में सेशंस कोर्ट ने राजपाल यादव को दोषी मानते हुए छह महीने की सजा सुनाई थी। उस समय हाई कोर्ट में उनके वकील ने भरोसा दिलाया था कि वे आपस में समझौता कर लेंगे, जिसके बाद सजा पर रोक लगा दी गई थी। मामला सुलझाने के लिए मीडिएशन सेंटर भी भेजा गया था।

राजपाल यादव ने वादा किया था कि वे ढाई करोड़ रुपये किस्तों में चुका देंगे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसी साल 5 फरवरी को कोर्ट के कड़े रुख के बाद उन्होंने सरेंडर किया था। तब डेढ़ करोड़ रुपये जमा करने पर उन्हें अंतरिम राहत मिली थी। अब वादे पूरे न करने पर कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की सजा बरकरार रखते हुए उन्हें तीन महीने के लिए जेल भेज दिया है।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का कानूनी और अकादमिक रिकॉर्ड बेहद शानदार रहा है। दिल्ली यूनिवर्सिटी के दौलत राम कॉलेज से इंग्लिश लिटरेचर में ग्रेजुएशन के दौरान उन्हें 'बेस्ट ऑल-राउंडर स्टूडेंट' चुना गया था। इसके बाद उन्होंने 1991 में एलएलबी और 2004 में एलएलएम की पढ़ाई पूरी की।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने चार साल की कड़ी मेहनत के बाद साल 2025 में 'जुडिशियल एजुकेशन' विषय पर अपनी पीएचडी पूरी की। इसके लिए उन्होंने यूके, अमेरिका, सिंगापुर और कनाडा की अदालतों का गहराई से अध्ययन किया।

जस्टिस शर्मा महज 24 साल की उम्र में मजिस्ट्रेट बन गई थीं। उनकी काबिलियत को देखते हुए 35 साल की उम्र में वे सेशंस जज बन गईं। उन्होंने सीबीआई की स्पेशल कोर्ट, फैमिली कोर्ट, महिला कोर्ट और पॉक्सो (ढडउरड) जैसी कई बड़ी अदालतों में काम किया है। मार्च 2022 में उन्हें दिल्ली हाई कोर्ट का परमानेंट जज नियुक्त किया गया।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने 5 किताबें भी लिखी हैं

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की पहचान सिर्फ अदालती कमरों तक सीमित नहीं है। वे एक बेहतरीन लेखिका भी हैं और उन्होंने समाज के अलग-अलग मुद्दों पर 5 किताबें लिखी हैं। किताब ब्रेकअप के दर्द से जूझ रही महिलाओं को हिम्मत देने वाली एक बेहतरीन गाइड है। दूसरी किताब में बुजुर्गों के अकेलेपन, उनके इमोशनल और आर्थिक संघर्षों को करीब से दिखाया गया है।

Tumhari Sakhi: यह किताब महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए लिखी गई है।

Love Full Circle: यह उनका एक काल्पनिक उपन्यास (Fiction) है, जो उनकी रचनात्मकता को दर्शाता है।

Judicial Education: यह किताब देश की न्यायिक प्रणाली को और बेहतर बनाने के उनके विजन पर आधारित है।

जब जज के सामने आने से केजरीवाल ने किया इनकार

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा का नाम उस समय सबसे ज्यादा उछला जब दिल्ली आबकारी नीति मामले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल की रिहाई को चुनौती दी। इस केस की सुनवाई जस्टिस शर्मा की बेंच के पास आई, तो केजरीवाल ने एक याचिका दायर कर मांग की कि जज खुद को इस मामले से अलग कर लें। केजरीवाल का आरोप था कि उन्हें इस बेंच से निष्पक्ष न्याय की उम्मीद नहीं है।

बात यहीं नहीं रुकी, अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद तीखा पोस्ट लिखा। उन्होंने साफ कहा कि जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत से न्याय मिलने की उनकी उम्मीदें टूट चुकी हैं।

उन्होंने महात्मा गांधी के सिद्धांतों और सत्याग्रह का हवाला देते हुए ऐलान कर दिया कि वे इस केस में जज के सामने पेश नहीं होंगे और न ही अपनी कोई दलील रखेंगे। हालांकि, कानूनी जानकार मानते हैं कि तीन दशकों का लंबा करियर और प्रशिक्षित जुडिशियल मीडिएटर होना जस्टिस शर्मा की निष्पक्षता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

CJP के 'एक्स' अकाउंट बैन पर सुनाया ऐतिहासिक फैसला

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच ने 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के सोशल मीडिया हैंडल पर सरकार द्वारा लगाए गए बैन को तुरंत हटाने का आदेश देकर बड़ी राहत दी। इस फैसले के बाद इस डिजिटल विंग को संभालने वाले अभिजीत दीपके और उनके समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखा गया।

कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि नीट (NEET) की दोबारा होने वाली परीक्षा के समय छात्रों और माता-पिता के बीच किसी भी तरह के भ्रम या घबराहट को रोकने के लिए इस सैटायर (व्यंग्य) अकाउंट को ब्लॉक किया गया था।

तुषार मेहता ने कोर्ट में माना कि अब परीक्षा शांति से पूरी हो चुकी है, इसलिए बैन जारी रखने का कोई तुक नहीं है। इस पर जस्टिस शर्मा ने सीधा और व्यावहारिक फैसला सुनाते हुए कहा कि जब मुख्य चिंता और डर ही खत्म हो चुका है, तो पाबंदी लगाने का कोई आधार नहीं बचता। उन्होंने तुरंत पुराना एक्स अकाउंट बहाल करने का आदेश दे दिया।

'अब नहीं बचेंगे राम मंदिर के डकैत', केजरीवाल ने किया सिग्नेचर कैंपेन का ऐलान

(जीएनएस)।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राम मंदिर में डकैती डालने वाले महा पापियों को सजा दिलवाने को लेकर रविवार को सुंदरकांड पाठ कराने और देश भर में सिग्नेचर कैंपेन चलाने की घोषणा की। रविवार को दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-10 स्थित जेएमडी टेंट, जापानी पार्क में सुबह 10 बजे सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जाएगा।

इसके बाद हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर देश भर में सिग्नेचर कैंपेन चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'पिछले कुछ हफ्तों का घटनाक्रम दशार्ता है कि राम मंदिर में डकैती करने वाले महा पापियों को मोदी सरकार बचाने में लगी है। जबकि सनातन के इन गुनहगारों को फांसी मिलनी चाहिए थी।'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'अब हर सनातनी हिंदू का धर्म है कि इन महा पापियों को सजा दिलवाने के लिए अपने आप को समर्पित करे। जो लोग इन पापियों को सजा दिलवाने के लिए प्रयास करेंगे, प्रभु श्री राम उनका और उनके परिवार का कल्याण करेंगे। इसके लिए इस रविवार को दिल्ली में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जा रहा है। आप सब लोग अधिक से अधिक संख्या में पहुंचें। पाठ के बाद इस पर चर्चा होगी कि प्रभु श्री राम के गुनहगारों को सजा दिलवाने के लिए क्या प्रयास करने हैं। सिग्नेचर कैंपेन में एक लेटर पर राम भक्त साइन करेंगे, जो प्रधानमंत्री को भेजे जाएंगे।'

"आप" मुख्यालय पर प्रेसवार्ता कर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'पिछले कुछ दिनों का घटनाक्रम यह दिखाता है कि मोदी सरकार ऊपर से नीचे तक पूरी तरह से उन लोगों को बचाने की कोशिश कर रही है, जिन्होंने श्री रामचंद्र जी के घर में चोरी और डकैती करने का महापाप किया। वहां जमीनों के बड़े-बड़े घोटाले हुए, जिसके सारे कागज मौजूद हैं। 2 करोड़ रुपए की जमीन मंदिर ट्रस्ट ने 18 करोड़ रुपए में खरीदी। सारे कागज मौजूद होने के बावजूद उस पर कोई जांच नहीं हो रही है, कोई एफआईआर नहीं हो रही है और किसी को गिरफ्तार नहीं किया जा रहा है।'

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि 'निर्माण कार्यों में किन कंपनियों को ठेके दिए गए, इस पर खुले आरोप लग रहे हैं। उनके इंजीनियर कह रहे हैं कि कंस्ट्रक्शन में 40 फीसद कमीशन मांगा जाता था, लेकिन

उसकी कोई जांच नहीं हो रही है। इतने बड़े स्तर पर चढ़ावे की चोरी हुई, सीसीटीवी कैमरे के अंदर इतनी सारी घटनाएं कैद हुईं, लेकिन उसकी भी कोई जांच नहीं हो रही है।'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'आठ छोटे लोगों को पकड़कर जेल में डाल दिया गया है और बाकी सभी बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में अब जनता को आवाज उठानी पड़ेगी और प्रभु की शरण में जाना होगा। इसलिए इस 12 जुलाई, रविवार को सुबह 10 बजे जेएमडी टेंट, जापानी पार्क, सेक्टर 10, रोहिणी में हम लोग सुंदरकांड का पाठ करेंगे। सभी श्रद्धालुओं और राम भक्तों से निवेदन है कि वे ज्यादा से ज्यादा संख्या में वहां पहुंचें। सुंदरकांड पाठ के बाद हनुमान जी का आशीर्वाद लेकर एक सिग्नेचर कैंपेन शुरू किया जाएगा।'

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 'यह सिग्नेचर कैंपेन देश भर में चलाया जाएगा। यह केवल आम आदमी पार्टी का सिग्नेचर कैंपेन नहीं है, बल्कि जहां-जहां राम भक्त और श्रद्धालु हैं, जो इस पूरे घटनाक्रम से आहत हैं, वे सभी यह कैंपेन करेंगे। इस सिग्नेचर कैंपेन में एक आम नागरिक की प्रधानमंत्री मोदी जी के नाम एक चिट्ठी है।'

अरविंद केजरीवाल ने बताया कि 'ये लेटर साइन किए जाएंगे, हम घर-घर जाएंगे और दिल्ली सहित हर जगह हजारों की संख्या में हनुमान चालीसा के पाठ रखे जाएंगे। लोग हनुमान चालीसा पढ़ेंगे, हनुमान जी और रामचंद्र जी की आरती गाएंगे और उसके बाद बड़ी श्रद्धा से इस लेटर पर साइन करेंगे। इसके बाद ये सभी लेटर प्रधानमंत्री जी को भेजे जाएंगे।'

अरविंद केजरीवाल ने आगे कहा कि 'हमें पूरी उम्मीद है कि जब लोग भगवान की शरण में जाकर और उनका आशीर्वाद लेकर यह काम करेंगे, तो चंदा चोरी करने वाले और रामचंद्र जी के घर में डकैती डालने वालों को जरूर सजा मिलेगी। हर सनातनी का यह फर्ज और धर्म है कि वह श्री रामचंद्र जी के यहां डकैती करने वाले महा पापियों को सजा दिलवाने की पूरी कोशिश करे। जो लोग भी इस कार्य को करेंगे, उनका और उनके परिवार का महा कल्याण होगा।'

प्रधानमंत्री के नाम इस चिट्ठी पर राम भक्त करेंगे सिग्नेचर

आदरणीय प्रधानमंत्री जी,

श्री राम मंदिर में हुई चढ़ावा चोरी ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया है। करोड़ों श्रद्धालुओं ने अपनी छोटी-बड़ी बचत से श्री राम मंदिर के निर्माण में योगदान दिया था। कई लोगों ने तो अपनी पूरी जिंदगी की जमा पूंजी दे दी और अधिकांश ने रसीद तक नहीं मांगी क्योंकि उन्होंने सोचा कि यह भगवान का घर है, यहां क्या हिसाब मांगना? आज उस विश्वास को भारी ठेस पहुंची है।

श्री राम मंदिर से संबंधित हर कार्य प्रधानमंत्री जी आपने आगे बढ़-चढ़कर किए। आपने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट बनाया और उसके हर मेंबर को व्यक्तिगत रूप से चुनकर नियुक्त किया, जो आपके बेहद करीबी माने जाते हैं। अब जब इतने बड़े स्तर पर बेईमानी हुई है, तो आपकी चुप्पी से मैं आहत हूं। 2021 के पहले से ही ट्रस्ट में जमीनों के घोटाले, निर्माण कार्यों में 40 फीसद तक की कमीशनखोरी और अब इतने बड़े पैमाने पर चढ़ावा चोरी की खबरें कई वर्षों से मीडिया में प्रमुखता से आ रही हैं।

मुझे लगता रहा कि यह सब आपके संज्ञान में होगा और आप किसी भी दोषी को नहीं छोड़ेंगे। लेकिन पिछले कुछ दिनों के घटनाक्रम ने मेरे विश्वास को धक्का पहुंचाया है। ऐसा लग रहा है कि भगवान के दोषियों को सजा दिलवाने के बजाय उन्हें बचाने की कोशिश की जा रही है।

ऐसा लगता है कि एसआईटी और एफआईआर मात्र लोगों की आंखों में धूल झोंकने और मामले को रफा-दफा करने की कोशिशें हैं। आठ छोटे कर्मचारियों को पकड़कर बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है। प्रधानमंत्री जी, ऐसा प्लीज मत कीजिए। भगवान राम के मंदिर से चोरी करने वाले दोषियों को सरेआम फांसी दी जानी चाहिए। उन्हें बचाना महापाप है। मैं आपको यह पत्र बहुत उम्मीद से लिख रहा हूं।